बगैर ड्राइवर का ट्रक

वैसे तो चालक रहित वाहन आजकल कई कामों में इस्तेमाल हो रहे हैं मगर अब जो योजना प्रस्तुत हुई है वह इन सबसे ज़्यादा महत्वाकांक्षी है। इसके तहत ऐसे ट्रक विकसित करने का विचार है जो आम सड़कों पर भी ड्राइवर के बगैर दौड़ सकेंगे। इस ट्रक को नाम दिया गया है इंस्पाइरेशन।

पिछले कुछ वर्षों में चालक-रहित वाहनों ने कई कंपनियों में जगह बना ली है। खास तौर से इनका उपयोग ऐसे स्थानों पर हो रहा है जहां लोगों की और अन्य वाहनों की आवाजाही कम होती है। जैसे खनन कंपनी रियो टिंटो अपनी खदानों से लौह अयस्क को ढोने के लिए चालक-रहित ट्रकों का इस्तेमाल कर रही है। कुछ खेतों में आजकल चालक रहित हार्वेस्टर्स का उपयोग भी हो रहा है। और तो और, अमरीकी फौज ऐसे वाहन के विकास में लगी है जो युद्ध के मैदान में चालक के बगैर चल सकें।

मगर इंस्पाइरेशन की तो बात ही कुछ और है। यह तो आम सड़कों पर बाकी सामान्य वाहनों के साथ ही चलेगा। इसे नेवाडा के हाइवे पर परीक्षण की अनुमति भी मिल गई है। ज़ाहिर है, चालक-रहित गाड़ियों में कई फायदे हैं। एक तो ये ज़्यादा सुरक्षित होंगी, नियमों की अनदेखी नहीं करेंगी और ड्राइवर के थकने की कोई चिंता नहीं रहेगी। कहते हैं कि यदि ऐसे ट्रकों को एक कारवां के रूप में चलाया जाए, तो ईंधन की बचत भी होगी क्योंकि हवा के प्रतिरोध का सामना सिर्फ आगे वाले ट्रक को करना होगा।

इंस्पाइरेशन ट्रक को मालूम होता है कि उसे किस लेन में चलना है, गति पर कैसे नियंत्रण रखना है। इसे विकसित करने वाले लोगों का कहना है कि ये नशे में धुत भी नहीं होते।

इसमें एक कैमरा लगा होता है जो सामने 100 मीटर की दूरी तक नज़र रखता है। कैमरा सड़क पर बने चिन्हों को पहचानता है, उनके अनुसार रफ्तार कम-ज़्यादा करवाता है। एक राडार भी लगा है जो 250 मीटर दूर तक चल रहे वाहनों पर नज़र रखता है ताकि टक्कर से बचा जा सके।

अभी विचार यह है कि इन्हें पूरी तरह चालक-रहित नहीं बनाया जाएगा। ड्राइवर बैठा रहेगा ताकि कोई विशेष परिस्थिति होने पर संभाल सके।

आलोचक कह रहे हैं कि यह ड्राइवरों के रोज़गार का हनन करेगा। और तो और, सड़क किनारे के ढाबों का धंधा भी चौपट हो जाएगा। इन चिंताओं से लापरवाह इंस्पाइरेशन का विकास जारी है। ***(स्रोत फीचर्स)***